ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

डेयरी व्यवसाय में प्रजनन प्रबंधन

डॉ. संजय कुमार मिश्र

उप निदेशक, पशुधन विकास, पशुपालन निदेशालय, उ०प्र०, लखनऊ

डेयरी व्यवसाय में प्रजनन प्रबंधन (**Breeding Management)** को केवल पशु को गाभिन करना ही नहीं, बल्कि इसे एक चक्र के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि आप "एक साल, एक बच्चा" का लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं, तो आपकी लागत **20–30%** कम और मुनाफा **50%** तक बढ़ सकता है।

प्रजनन प्रबंधन से संबंधित मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:

1. मद चक्र (हीट साइकिल) का सूक्ष्म प्रबंधन

गाय और भैंस आमतौर पर हर **21** दिन (**18–24** दिन के अंतराल) में मद में आती हैं।

मूक मद (**Silent Heat):** भैंसों में यह समस्या अधिक होती है, जहाँ वे स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाती हैं। ऐसे में 'टीज़र बुल' (नसबंदी किया हुआ सांड) या रात के समय (शांत माहौल) में पशु के व्यवहार पर ध्यान देना आवश्यक है।

समय का चुनाव:

- यदि पशु सुबह मद के लक्षण दिखाए, तो शाम को कृत्रिम गर्भाधान (**AI)** कराएं।
- यदि शाम को लक्षण दिखाए, तो अगली सुबह **AI** कराएं।

2. वैज्ञानिक चयन और नस्ल सुधार

सफल पशुपालक वह है जो केवल दूध न बेचे, बल्कि बेहतर नस्ल भी विकसित करे।

सांड का चुनाव: हमेशा उच्च वंशावली (**High Pedigree)** वाले सांड का वीर्य उपयोग करें। अच्छी नस्ल से बछिया **20–30%** अधिक दूध दे सकती है।

इनब्रीडिंग से बचाव: एक ही सांड के वीर्य का उपयोग उसकी बेटियों पर कभी न करें। इससे आनुवंशिक बीमारियाँ बढ़ती हैं और उत्पादन घटता है।

3. पोषण: प्रजनन की कुंजी

- अधिकतर पशु प्रजनन में विफल रहते हैं क्योंकि वे "नकारात्मक ऊर्जा संतुलन" (**Negative Energy Balance)** में होते हैं।
- **फ्लशिंग:** गर्भाधान से **3–4** सप्ताह पहले पशु को **500** ग्राम अतिरिक्त दाना देना शुरू करें।

ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

- सूक्ष्म पोषक तत्व: कॉपर, कोबाल्ट, मैंगनीज, सेलेनियम आवश्यक हैं।
- विटामिन **A** और **E** गर्भाशय की सेहत के लिए जरूरी।

4. ब्याने के बाद की देखभाल

- ब्याने के बाद के पहले **60** दिन अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं:
- जेर (**Placenta): 8–12** घंटे में गिर जाना चाहिए। देरी होने पर तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें।
- गर्भाशय की सफाई: ब्याने के **20** दिन बाद जांच कराएं, ताकि सूजन (**Metritis)** का पता चल सके।

5. प्रजनन संबंधी बीमारियाँ और समाधान

- ब्रूसेलोसिस: **7–8** महीने के गर्भ के बाद गर्भपात हो सकता है।
- रोकथाम हेतु **4–8** माह की उम्र में **S19** वैक्सीन लगवाएं।
- रिपीट ब्रीडिंग: **3** बार **AI** के बाद भी गर्भ न ठहरे तो यह समस्या मानी जाती है।
- कारण: खनिज की कमी या गर्भाशय संक्रमण

- **आर्थिक लाभ का गणित (उदाहरण)**

• **स्थिति**	• **विवरण**	• **आर्थिक प्रभाव**
• समय पर गाभिन	• **90** दिन में गाभिन	• **305** दिन दूध + अगला बच्चा
• देरी से गाभिन	• **200** दिन में गाभिन	• अतिरिक्त चारा खर्च + कम उत्पादन
• नुकसान	• हर खाली दिन	• **₹150–₹300** प्रति दिन नुकसान

- **प्रबंधन चेकलिस्ट**
- **वजन:**

  बछिया का वजन वयस्क वजन का **60–70% (**लगभग **250–300** किग्रा) होने पर ही **AI** कराएं

ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

- **तापमान:**

  गर्मियों में **AI** सुबह या शाम (**5–7** बजे) करें

- **आराम:**

  गर्भाधान के बाद पशु को **2–3** घंटे शांत रखें